

‘द ब्लू व्हेल’ - एक खतरनाक खेल

चर्चा में क्यों ?

ब्लू व्हेल गेम एक खतरनाक ऑनलाइन खेल है। जब से यह खेल विकसित हुआ है तब से लेकर अब तक दुनिया भर में अनेक युवाओं द्वारा आत्महत्या किये जाने की घटनाएँ सामने आई हैं। सबसे अधिक रूस में ऐसी घटनाएँ हुई हैं। भारत में भी अब तक कुछ युवाओं के आत्महत्या की खबरें आ चुकी हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस खेल की शुरुआत रूस में 2013 में ‘एफ 57’ नामक एक समूह द्वारा की गई थी। धीरे-धीरे यह रूस के बाहर भी फैल चुका है।
- फलिपि बुदेकनि नामक एक इक्कीस वर्षीय रूसी नागरिक को इस खेल का जनक बताया जाता है। उसका कहना है कि इस खेल को विकसित करने का मकसद बेकार लोगों को ख़त्म कर समाज को साफ करना है। फ़लिहाल उसे गरिफ़्तार किया जा चुका है।
- इस खेल के नियमों के अनुसार ख़िलाड़ी को 50 दिनों में 50 अलग-अलग कार्य पूरे करने होते हैं और अंतिम समय में उसे आत्महत्या के लिये उकसाया जाता है।
- भारत में भी इस खेल के प्रतियोगिताएँ रुझान को देखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार को फेसबुक, गूगल और यूट्यूब को नोटिस जारी कर ब्लू व्हेल खेल से संबंधित नरिदेश जारी करने का आदेश दिया था। जिसके बाद सरकार ने इन कंपनियों को इस जानलेवा खेल से संबंधित सभी लिंक हटाने का नरिदेश दिया।

आत्महत्याओं का ज़िम्मेदार कौन ?

- भारत में युवाओं के बीच छपि हुई अवसाद की दर उच्च है जिसके कारण आत्महत्या के मामले बढ़े हैं। भारत आत्महत्या की दर के मामले में विश्व के शीर्ष 10 देशों में शामिल है।
- अवसाद और आत्महत्या जैसे जटिल समस्याओं को रोकने के लिये सरकार और समाज द्वारा विभिन्न चरणों में हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।
- इसे हमारी व्यवस्था और समाज दोनों की वफ़िलता कहा जाय तो अनुचित न होगा। इंटरनेट या सोशल मीडिया समूहों को आत्महत्या को बढ़ावा देने के लिये ज़िम्मेदार ठहराना उचित नहीं लगता।